एक्यूट एन्सेफलोपथी सिंड्रोम (ए.ई.एस) की रोकथाम और प्रबंधन में आशा / आशा सहयोगी की भूमिका

एक्यूट एन्सेफलोपथी सिंड्रोम (ए.ई.एस) क्या है?

ए.ई.एस कई कारणों से हो सकता है जिनमे से मस्तिष्क की सूजन एक है। इस पुस्तिका में हम एक अलग तरह के ए.ई.एस के बारे में जानेंगे-यह ऐइएस हमारे देश के कुछ जिलों में जहाँ लीची के बागान हैं वहां पाया गया है।

ए.ई.एस का कारण क्या है?

ए.ई.एस पंद्रह साल से कम, अधिकतर दो से पांच साल की उम्र के बच्चों में, लीची खाने के 24 घंटे के भीतर देखा गया है। लीची में एक ऐसा रसायन है जो रक्त में शुगर के स्तर को कम करती है। रक्त में शुगर के स्तर के कम होने से ए.ई.एस के लक्षण आते हैं।

ए.ई.एस होने की संभावना ज़्यादातर कब होती है?

ए.ई.एस ज़्यादातर गर्मी के मौसम - मई से जून के महीनों के बीच में होता है। लीची के पैदावार का मौसम भी यही है।

संकेत और लक्षण

मुख्ये लक्षण हैं:

- दौरें पड़ना
- भ्रम की स्थिति- कुछ समझ न आना या सुस्त होना
- इस प्रकार के ए.ई.एस में बुखार हो भी सकता है या नहीं भी
- ये लक्षण ज़्यादातर सुबह 3 से 5 बजे के बीच में गंभीर हो जाते हैं क्यूंकि इस वक़्त खून में शुगर की मात्र कम हो जाती है (रात के खाने और सुबह के नाश्ते में कई घंटो के अंतर के कारण ऐसा होता है)
- रोगी कोमा/ बेहोशी में बहुत जल्दी जा सकते हैं।
- ये लक्षण कुपोषण के शिकार बच्चों में अधिक गंभीर होते हैं

एक आशा के रूप में आपकी भूमिका क्या है?

आशा के रूप में आपकी भूमिका है:

- ए.ई.एस के कारणों और रोकथाम के बारे में समुदाय में जागरूकता पैदा करना।
- माता-पिता और परिवार को तुरंत पहचान, रोकथाम और तत्काल सहायता के महत्त्व के बारे में जानकारी देना।
- निकटतम रेफरल केन्द्रों का पता लगाना
- तुरंत ईलाज के लिए स्वास्थय केंद्र पर रेफेर करना।

रोकथाम के लिए संदेश:

- समुदाय में सामान्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्राम स्वास्थय एवं पोषण दिवस (विएचएंडडी) मंच का उपयोग करें।
- मई से जुलाई तक उन परिवारो का दौरा ज़रूर करें जहाँ या तो १५ साल से कम उम्र के बच्चे हों या वो परिवार लीची के बागानों के पास रहते हों - ताकि यह परिवार सावधान रह सकें और उन्हें पूरी जानकारी भी हो।

- मुख्य संदेश में शामिल हैं:

  - परिवार को लीची खाना कम करने की सलाह देना
  - कारण और रोग के लक्षणों की जानकारी देना
  - माता पिता इस बात का भी ध्यान रखें की बच्चे को रात में सोने से पहले आलू, शक्कर-कंदी, जवार/बाजरे से बनी रोटी खिलाएं। यह खाना कार्बोहाइड्रेट्स तत्वों से भरपूर होता है।
  - अगर बच्चे ने दिन में लीची का सेवन किया हो तो उसे अर्ध-रात्रि में उठा कर यह खाना खिलाएं। इससे बच्चे के खून में शुगर की मात्रा बनी रहेगी।
  - अगर बच्चे को दौरे आ रहे हों तो मुँह में कुछ न डालें। अगर बच्चा कुछ पीने की स्थिति में हो तो चीनी और पानी का घोल पिलायें

प्रबंधन

जैसे ही आप समझ जाएँ की बच्चे के लक्षण ए.ई.एस (AES) हो सकते हैं तो :

- तुरंत (108) वाहन का प्रबंध कर बच्चे को उस स्वास्थय केंद्र पर रेफेर करें जहाँ ए.ई.एस (AES) का इलाज़ उपलब्ध हो – 24 घंटे डॉक्टर और ग्लूकोस की मात्रा नापने और सुधारने की सुविधाएँ उपलब्ध हों
- आपके निकटतम स्वास्थय केंद्र के मेडिकल अफसर आपको इन केन्द्रों के बारे में जानकारी देंगे
- अगर बच्चे को दौरे आ रहे हों तो मुँह में कुछ न डालें
- प्राथमिक स्वास्थय केंद्र ले जाते समय रोगी को इस तरह रखें की उसके मुह की लार उसके सांस की नली में ना जाएँ (चित्र 1 देखें)

चित्र 1 • सांस की नली को खुला रखने के लिए रोगी को एक तरफ लिटाये • थोड़ी को उठा के रखें और एक हाथ गाल के निचे रख दें • शरीर की स्तिथि को स्थिर रखने के लिए 1 पैर मोड़ दें